ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-३२
दिनांक-शुक्रवार,२१ अप्रैल,२०१७

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.६ एवं २२.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८६ सुबह में एवं दोपहर में ६३ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.२ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन २.४ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २५.५ एवं दोपहर में ३१.८ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२२-२६ अप्रैल,२०१७)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २२-२६ अप्रैल,२०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

१. पुर्वानुमानित अवधि में अगले २४ से ४८ घंटो में तराई के जिलों में विशेष रूप से पश्चिमी व पूर्वी चम्पारण, मधुबनी तथा दरभंगा के कुछ हिस्सों में वर्षा की संभावना अधिक है। तराई के अन्य जिलों में भी वर्षा हल्की हो सकती है। इस दौरान समस्तीपुर, मुजफफरपुर, सारण, सिवान एवं गोपालगंज जिलों के कुछ हिस्सों में भी हल्की वर्षा / बुंदा-बुंदी हो सकती है। दो दिनों के बाद अर्थात २४ तारीख से पछिया हवा चलने के कारण मौसम शुष्क एवं तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है।
२. इस अवधि में अधिकतम तापमान २६ से ३४ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है जबकि न्यूनतम तापमान २२ से २४ डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।
३. औसतन १२ से १६ कि० मी० प्रति घंटा की गति से अगले २ दिनों तक पुरवा हवा तथा उसके बाद पछिया हवा चलने की संभावना है।
४. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- किसानों को सलाह दी जाती है कि हल्की वर्षा/बुंदा-बुंदी की संभावना को देखते हुए कृषि कार्यो में सर्तकता बरतने की आवश्यकता है।
- विगत मौसम पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्की वर्षा हुई है, जिससे खेतों में नमी आ गई है। किसान भाई इसका फायदा उठाते हुए ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए *गजेन्द्र* किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर ८० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढ़ा ३ किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, २० ग्राम अमोनियम सल्फेट या १० ग्राम युरिया, ३७.५ ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं १६ ग्राम पोटेशियम सल्फेट का व्यवहार करे। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के ५.० ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर २०-२५ मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में १०-१५ मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- खेतों में नमी का फायदा उठाते हुए किसान भाई बसंतकालिन मक्का एवं हरे चारा की फसलों में नेत्रजन उर्वरक का उपरिवेशन करें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई-गुड़ाई करें।
- कीट-व्याधियों से खेत में खड़ी मक्का एवं मूंग/उरद की फसल की बराबर निगरानी करते रहें।
- भिण्डी की फसल में लीफ हॉपर कीट की निगरानी करे। इसका प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड ०.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- गर्मीयो में दुधारू पशुओं को सुखा चारा की मात्रा कम दें और दाना की मात्रा बढ़ा दें। दाना में तिलहन अनाज का प्रयोग करें। चारा दाना प्रातः ५:०० बजे और शाम में धुप खत्म होने के बाद ही दें। साफ ठंढ़ा पानी पुरे समय दें। प्रत्येक व्यस्क पशुओं को ५० ग्राम खनीज - विटामिन मिश्रण एवं ५० ग्राम नमक दें। किलनी एवं अठगोढ़वा के नियंत्रण के लिए फ्लूमेथ्रीन इप्रीनोमेक्टीन या अमितराज दवाओं का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः २७.७ डिग्री सेल्सियस	आज का न्यूनतम तापमान :२२.० डिग्री सेल्सियस

(ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी